रोल नं0 | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

101

401 (IBQ)

2015

हिन्दी

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश : (i) इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड **'अ'** और **'ब'** हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। प्रश्नों के उत्तर यथा संभव क्रमवार दीजिए।

(ii) प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड – 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

नैतिकता, सदाचरण एवं धार्मिक आस्थाओं को शिक्षा से अलग नहीं किया जा सकता। आज जब कि जीवन के हर क्षेत्र में नैतिक मूल्यों का तेजी से क्षरण हो रहा है, व्यक्ति और समाज के अस्तित्व की रक्षा के लिए छात्रों के नैतिक विकास की ओर ध्यान देना आवश्यक है। जब हम शिक्षा द्वारा बालक के बहिरंग व अंतरंग विकास की बात करते हैं अथवा दूसरे शब्दों में उसके त्रिविध विकास की चर्चा करते हैं तो उसमें उसके शारीरिक एवं बौद्धिक विकास के साथ आध्यात्मिक शक्तियों का अभिजागरण भी समाहित है। ज्ञान एवं कौशल विकास के साथ भावात्मक अथवा रागात्मक पक्ष भी जुड़ा है। तीनों एक दूसरे के पूरक हैं। सदाचरण एवं मानवीय मूल्यों के विकास के लिए धार्मिक शिक्षा एक आधारभूत विकल्प है। शिक्षा केवल विषय ज्ञान तक ही सीमित न होकर जीवन के सर्वोच्च लक्ष्यों की प्राप्ति का साधन भी है।

विभिन्न विषयों का ज्ञान व्यक्ति को उन विषयों का ज्ञाता और विशेषज्ञ बना सकता है किन्तु आवश्यक नहीं कि उसे विवेकशील भी बना दे। विवेक व्यक्ति का भावात्मक पक्ष है। इसके लिए किताबें ही नहीं, पारिवारिक एवं सामाजिक पृष्ठभूमि, सामान्य परिवेश, विद्यालयीय वातावरण, शिक्षकों की चारित्रिक गरिमा आदि सभी कुछ महत्वपूर्ण हैं। धर्म हमें पाप एवं अधर्म से बचने की प्रेरणा देता है। धर्म हमें अपने दायित्व के प्रति सजग रखता है। वासनाओं के चतुर्दिक् आक्रमण से वह हमारी रक्षा भी करता है।

(क) नैतिकता और सदाचरण का शिक्षा में क्या महत्व है ? 3

(ख) शिक्षा द्वारा बालक के त्रिविध विकास से आप क्या समझते हैं ? 3

(ग) 'शिक्षा केवल विषय ज्ञान तक ही सीमित न होकर जीवन के सर्वोच्च लक्ष्यों की प्राप्ति का साधन भी है।' इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। 3

(घ) व्यक्ति को विवेकशील बनाने के लिए कौन से कारक महत्वपूर्ण हैं और किस रूप में ? स्पष्ट कीजिए। 3

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के लिये उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 3

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए : 10

(क) हमारे प्रजातांत्रिक मूल्य

(ख) जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी

(ग) यदि मैं प्रधानमंत्री होता

(घ) जीवन में सदाचार का महत्व

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिये : 1×5=5

(क) किन्हीं दो जन–संचार माध्यमों के नाम बताइए।

(ख) पीत पत्रकारिता से आप क्या समझते हैं ?

[Turn Over

(ग) समाचार किसे कहते हैं ?
(घ) पत्रकारीय साक्षात्कार से क्या अभिप्राय है ?
(ङ) विज्ञापन की भाषा की प्रमुख विशेषता बताइए।

4. 'सर्व शिक्षा अभियान की सार्थकता' **अथवा** 'अनीतिपरक राजनीति' विषय पर लगभग 150 शब्दों में एक आलेख लिखिए। 5

5. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×3=6

(i) हो जाए न पथ में रात कहीं,
मंजिल भी तो है दूर नहीं –
यह सोच थका दिन का पंथी भी जल्दी–जल्दी चलता है!
दिन जल्दी–जल्दी ढलता है!
बच्चे प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झाँक रहे होंगे –
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है!
दिन जल्दी–जल्दी ढलता है!

(क) 'दिन जल्दी–जल्दी ढलता है' का आशय समझाइए।
(ख) 'बच्चे प्रत्याशा में होंगे, नीड़ों से झाँक रहे होंगे–' काव्यांश की मानव–जीवन से तुलना करते हुए भाव स्पष्ट कीजिए।
(ग) उपर्युक्त कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है ?

(ii) कविता एक खिलना है फूलों के बहाने
कविता का खिलना भला फूल क्या जाने!
बाहर भीतर
इस घर, उस घर
बिना मुरझाए महकने के माने
फूल क्या जाने ?
कविता एक खेल है बच्चों के बहाने
बाहर भीतर
यह घर, वह घर
सब घर एक कर देने के माने
बच्चा ही जाने।

(क) फूलों का 'बिना मुरझाए महकने' का भावार्थ क्या है ?
(ख) फूल और बच्चे को कविता के समानांतर रखने में कवि का आशय क्या हो सकता है ?
(ग) उक्त कविता के सन्दर्भ में 'सब घर एक कर देने' का आशय स्पष्ट कीजिए।

6. निम्नांकित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिये : 2×2=4

सुत बित नारि भवन परिवारा। होहिं जाहिं जग बारहिं बारा।।
अस बिचारि जियँ जागहु ताता। मिलइ न जगत सहोदर भ्राता।।
जथा पंख बिनु खग अति दीना। मनि बिनु फनि करिबर कर हीना।।
अस मम जिवन बंधु बिनु तोही। जौं जड़ दैव जिआवै मोही।।

(क) उपर्युक्त पद्यांश में व्यंजित भावपक्ष की समीक्षा कीजिए।
(ख) भ्रातृशोक में व्यग्र राम की दशा को कवि ने सच्ची मानवीय अनुभूति के रूप में व्यक्त किया है। इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×2=4

(क) आसमान में रंग–बिरंगी पतंगों को देखकर आपके मन में कैसे विचार आते हैं ? काव्यात्मक भाषा में लिखिए।

(ख) 'कैमरे में बन्द अपाहिज' कविता का आशय समझाइए।

(ग) 'छोटा मेरा खेत' कविता में खेत की तुलना कागज के पन्ने से की गई है, क्यों ?

8. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×3=6

(i) भक्तिन और मेरे बीच में सेवक–स्वामी का संबन्ध है, यह कहना कठिन है; क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता, जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया, जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे। भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है, जितना अपने घर में बारी–बारी से आने–जाने वाले अँधेरे–उजाले और आँगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना। वे जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते हैं, जिसे सार्थकता देने के लिए ही हमें सुख–दुख देते हैं, उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे जीवन को घेरे हुए है।

(क) लेखिका और भक्तिन के आपसी संबन्ध की विवेचना कीजिए।

(ख) भक्तिन को नौकर कहना असंगत क्यों है ?

(ग) उपर्युक्त अवतरण के तथ्यों के आधार पर भक्तिन के स्वतंत्र व्यक्तित्व की अपने शब्दों में व्याख्या कीजिए।

(ii) एक–एक बार मुझे मालूम होता है कि यह शिरीष एक अद्‌भुत अवधूत है। दुःख हो या सुख, वह हार नहीं मानता। न ऊधो का लेना, न माधो का देना। जब धरती और आसमान जलते रहते हैं, तब भी यह हज़रत न जाने कहाँ से अपना रस खींचते रहते हैं। मौज में आठों याम मस्त रहते हैं। एक वनस्पतिशास्त्री ने मुझे बताया है कि यह उस श्रेणी का पेड़ है जो वायुमण्डल से अपना रस खींचता है। जरूर खींचता होगा। नहीं तो भयंकर लू के समय इतने कोमल तंतुजाल और ऐसे सुकुमार केसर को कैसे उगा सकता था ? अवधूतों के मुँह से ही संसार की सबसे सरस रचनाएँ निकली हैं। कबीर बहुत–कुछ इस शिरीष के समान ही थे, मस्त और बेपरवा, पर सरस और मादक।

(क) 'शिरीष' को अद्‌भुत अवधूत कहने में लेखक का क्या आशय है ?

(ख) शिरीष–वृक्ष की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

(ग) कबीर को शिरीष के समान क्यों बताया गया ?

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×2=6

(क) बाजार के जादू का मनुष्य के दैनिक जीवन पर क्या असर पड़ता है ?

(ख) जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया ?

(ग) 'नमक' शीर्षक कहानी का सार–संक्षेप अपने शब्दों में लिखिये।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×2=4

(क) यशोधर बाबू पुराने विचारों के व्यक्ति हैं। वर्तमान सामाजिक परिवेश में वे कितने समीचीन हैं ? इस विषय पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ख) 'जूझ' कहानी के आधार पर कथा नायक की पढ़ाई के प्रति ललक का चित्रण कीजिए।

(ग) सिन्धु घाटी की सभ्यता राजपोषित या धर्मपोषित न होकर समाजपोषित थी। इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

11. यशोधर बाबू और उनकी पत्नी के व्यक्तित्व में बड़ा अन्तर है। इस कथन को स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

क्या हम सिंधु घाटी सभ्यता को जल–संस्कृति कह सकते हैं ? अपने विचार लिखिये।

खण्ड – 'ब'

12. निम्नांकित गद्यांशं पठित्वा केवलं **त्रीन्** प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत : 2×3=6
(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर केवल **तीन** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्णवाक्य में दीजिए।)
अरुणाचलप्रदेशे रुपग्रामे उभौ सहोदरौ निवसतः स्म। तयोः ज्येष्ठः बौद्धसंन्यासी, कनीयान् च व्याधवृत्तिम् आश्रितः। अनुजः एव गृहपोषणं करोति स्म। प्रतिदिनं सः अरण्यं गत्वा पशून् हत्वा मांसं सङ्गृह्य आगच्छति स्म। तेन मांसेन एव गृहे पाकः सज्जीक्रियते स्म। बौद्धसंन्यासिने एतत् मांससेवनं न रोचते स्म।
(क) उभौ सहोदरौ कुत्र निवसतः स्म ? (ख) बौद्धसंन्यासी कः आसीत् ?
(ग) गृहपोषणं कः करोति स्म ? (घ) मांससेवनं कस्मै न रोचते स्म ?

13. अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा **द्वौ** प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत : 2×2=4
(निम्नलिखित श्लोक को पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्णवाक्य में दीजिए)
प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः
प्रारभ्य विघ्नविहिताः विरमन्ति मध्याः।
विघ्नैः पुनः पुनरपि प्रतिहन्यमानाः
प्रारभ्य चोत्तमजनाः न परित्यजन्ति।।
(क) नीचैः कार्यं किं न प्रारभ्यते ? (ख) कार्यं प्रारभ्य के विरमन्ति ? (ग) उत्तमजनाः किं कुर्वन्ति ?

14. अधोलिखित प्रश्नेभ्यः **पञ्च** प्रश्नान् संस्कृत भाषायां पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×5=10
(निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्यों में दीजिए)
(क) मण्डूकस्य साफल्यस्य कारणं किम् आसीत् ? (ख) बहवो अम्भोदाः कुत्र वसन्ति ?
(ग) विद्यालयस्य वार्षिकोत्सवे मंचसंचालनं कः करिष्यति ? (घ) कस्य आश्रयः सर्वदा कष्टकरः ?
(ङ) गोविन्दबल्लभ पन्तस्य जन्म कस्मिन जनपदे अभवत् ? (च) पादैः कः पिबति ?
(छ) गुर्जरराज्ये भूकम्पस्य केन्द्रबिन्दुः कः जनपदः आसीत् ? (ज) 'गान्धारी' कस्य माता आसीत् ?

15. निम्नांकित शब्द सूचीतः शब्दान् चित्वा **चत्वारि** वाक्यानि उत्तरपुस्तिकायां लिखत् – 1×4=4
(निम्नलिखित शब्दों में से **चार** शब्दों का संस्कृत में वाक्य प्रयोग कीजिए)

शब्द सूची– छात्राः, पर्वतानाम्, सर्वत्र, नृत्यन्ति, मन्दंमन्दम्, आरोहति, अग्रजः, पर्यावरणम्, वदतु, गीतम्

16. (क) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं च कुरुत। (समास विग्रह कर समास का नाम भी लिखिए।) : 1
विद्यालयः **अथवा** चन्द्रशेखरः
(ख) विभक्ति निर्देशनं कुरुत। (विभक्ति बताइए) : गवा **अथवा** मातरि 1
(ग) 'वारि' **अथवा** 'जगत्' शब्दस्य चतुर्थी विभक्ते एकवचनस्य रूपं लिखत। 1
('वारि' **अथवा** 'जगत्' शब्द का चतुर्थी विभक्ति के एकवचन का रूप लिखिए।)
(घ) 'दुह' **अथवा** 'हन्' धातोः लट्लकारस्य प्रथम पुरूषस्य एकवचनस्य रूपं लिखत। 1
('दुह' **अथवा** 'हन्' धातु का वर्तमानकाल, प्रथम पुरूष, एकवचन का रूप लिखिए।)
(ङ) (i) सन्धिं कुरुत। (संधि कीजिए) : कः+अपि **अथवा** हरिः+शेते 1
(ii) सन्धि विच्छेदं कुरुत। (सन्धि विच्छेद कीजिए।) : निर्मलः **अथवा** नमस्ते 1

अथवा

अस्मिन् प्रश्नपत्रे आगतं श्लोकं वर्जयन् कमपि अन्यं कण्ठस्थं श्लोकं लिखित्वा हिन्दी भाषायाम् तस्य अनुवादं कुरुत। 3+3=6
(कोई एक कंठस्थ श्लोक, जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो, लिखिए और हिन्दी में उसका अनुवाद कीजिए।)

****

रोल नं0 | | | | | | | | |

101

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

401 (IBR)

2015
हिन्दी

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 100

निर्देश : (i) इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड **'अ'** और **'ब'** हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। प्रश्नों के उत्तर यथा संभव क्रमवार दीजिए।

(ii) प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड – 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

राजनीति जितनी स्वस्थ हो, जीवन के सारे पहलू उतने ही स्वस्थ हो सकते हैं। राजनीति के पास सबसे बड़ी ताकत है। यह निर्विवाद सत्य है कि राजनीति में जो अशुद्धता है उसने जीवन के सब पहलुओ को अशुद्ध किया है।

सत्ता जिसके पास है वह दिखाई पड़ता है, सारे मुल्क को और जाने अनजाने हम उसकी नकल करना शुरू करते हैं। सत्ता की नकल होती है; क्योंकि लगता है कि सत्ता के शिखर पर बैठा आदमी ठीक होगा। अंग्रेज हिन्दुस्तान में सत्ता पर थे, तो हमने उनके कपड़े पहनने शुरु किए। सत्ता में अंग्रेज था, तो उसकी भाषा हमें अधिक गौरवपूर्ण मालूम होने लगी। सत्ताधारी जो करता है, सारा समाज वैसा करने लगता है। इसलिए राजनीति में अत्यधिक शुद्धता की जरूरत है। सबसे बड़ी जरूरत है कि वहाँ अच्छा आदमी हो। वह हमारे बीच खड़ा होकर नमूना बन जाता है और लोग उसकी तरफ देखकर वैसा होना शुरू कर देते हैं।

लोग पूछते हैं कि अच्छे आदमी के हाथ में राजनीति आ जाए तो क्या परिवर्तन हो सकते है ? अभूतपूर्व परिवर्तन हो सकते हैं। बुरा आदमी बुरा सिर्फ इसलिए है कि वह अपने स्वार्थ के अतिरिक्त कुछ नहीं सोचता। अच्छा आदमी अच्छा इसलिए है कि वह अपने स्वार्थ से, दूसरे के स्वार्थ को प्राथमिकता देता है। बुरा आदमी सत्ता में जाने के लिए सब बुरे साधनों का प्रयोग करता है। एक बार अगर बुरे साधनों का उपयोग हो जाय तो जीवन की सब दिशाओं में बुरे साधन प्रयुक्त होने लगते हैं।

समाज और राष्ट्र में आमूल परिवर्तन हो सकता है। अच्छा आदमी शीर्ष पर होगा तो वह अच्छे आदमी को पैदा करने की व्यवस्था करेगा। बुरा आदमी जो प्रतिक्रिया पैदा करेगा उससे और बुरे आदमी पैदा होते हैं। बुरा आदमी जब चलन में आता है तो अच्छा आदमी चलन से बाहर हो जाता है। बुरा आदमी कुर्सी पर बैठने से ऊँचा हो जाय तो जब कुर्सी छोड़ेगा नीचा हो जाएगा। इसलिए वह कुर्सी नहीं छोड़ना चाहता। अच्छा आदमी, अच्छा होने की वजह से कुर्सी पर बैठाया गया हो तो कुर्सी छोड़ने से नीचा नहीं होने वाला है। इसलिए अच्छा आदमी कुर्सी छोड़ने की हिम्मत रखता है।

(क) राजनीति का सामाजिक जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है ? 3

(ख) 'सामाजिक अभ्युदय के लिए स्वस्थ राजनीति जरूरी है।' क्यों और कैसे ? 3

(ग) लोग सत्ता की नकल क्यों और किस रूप में करते हैं। 3

(घ) अच्छे आदमी के हाथ में राजनीति आने से किन सामाजिक परिवर्तनों की अपेक्षा की जा सकती है ? 3

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिये। 3

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए : 10

(क) सूचना–क्रान्ति का जनजीवन पर प्रभाव (ख) हमारा प्रजातंत्र, भूत और भविष्य

(ग) महंगाई की समस्या व समाधान (घ) जल ही जीवन है

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 1×5=5

(क) खोजपरक पत्रकारिता किसे कहते हैं ? (ख) किसी हिन्दी मासिक पत्रिका का नाम बताइए।

(ग) 'कोलाज' किसे कहते हैं ? (घ) संचार माध्यम कितने प्रकार के होते हैं ?

(ङ) पत्रकारीय साक्षात्कार से क्या आशय है ?

4. 'सर्व शिक्षा अभियान की सार्थकता' **अथवा** 'प्रजातंत्र में नागरिक के दायित्व' विषय पर लगभग 150 शब्दों में एक आलेख लिखिये। 5

5. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×3=6

(i) हो जाए न पथ में रात कहीं,
मंजिल भी तो है दूर नहीं –
यह सोच थका दिन का पंथी भी जल्दी–जल्दी चलता है!
दिन जल्दी–जल्दी ढलता है!
बच्चे प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झाँक रहे होंगे –
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है!
दिन जल्दी–जल्दी ढलता है!

(क) 'दिन जल्दी–जल्दी ढलता है' का आशय समझाइए।

(ख) 'बच्चे प्रत्याशा में होंगे, नीड़ों से झाँक रहे होंगे–' काव्यांश की मानव–जीवन से तुलना करते हुए भाव स्पष्ट कीजिए।

(ग) उपर्युक्त कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है ?

(ii) कविता एक खिलना है फूलों के बहाने
कविता का खिलना भला फूल क्या जाने!
बाहर भीतर
इस घर, उस घर
बिना मुरझाए महकने के माने
फूल क्या जाने ?
कविता एक खेल है बच्चों के बहाने
बाहर भीतर
यह घर, वह घर
सब घर एक कर देने के माने
बच्चा ही जाने।

(क) फूलों का 'बिना मुरझाए महकने' का भावार्थ क्या है ?

(ख) फूल और बच्चे को कविता के समानांतर रखने में कवि का आशय क्या हो सकता है ?

(ग) उक्त कविता के सन्दर्भ में 'सब घर एक कर देने' का आशय स्पष्ट कीजिए।

6. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×2=4

जिंदगी में जो कुछ है, जो भी है
सहर्ष स्वीकारा है;
इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है
वह तुम्हें प्यारा है।
गरबीली गरीबी यह, ये गंभीर अनुभव सब
यह विचार–वैभव सब
दृढ़ता यह, भीतर की सरिता यह अभिनव सब
मौलिक है, मौलिक है
इसलिए कि पल–पल में
जो कुछ भी जाग्रत है अपलक है –
संवेदन तुम्हारा है!!

(क) कवि का 'भीतर की सरिता' से क्या आशय है और वह किस रूप में मौलिक है ?

(ख) कवि की संवेदनाओं को प्रेरित करने वाली शक्ति कौन है ?

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×2=4

(क) 'छोटा मेरा खेत' कविता के सन्दर्भ में **अंधड़** और **बीज** क्या हैं ?

(ख) अपनी पाठ्यपुस्तक में निहित 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में वर्णित व्यंग्य पर प्रकाश डालिए।

(ग) फिराक गोरखपुरी की गजलें आपको कितना प्रभावित करती हैं और क्यों ? उदाहरण देकर समझाइए।

8. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×3=6

(i) शिरीष का फूल संस्कृत–साहित्य में बहुत कोमल माना गया है। मेरा अनुमान है कि कालिदास ने यह बात शुरू–शुरू में प्रचार की होगी। उनका इस पुष्प पर कुछ पक्षपात था। कह गए हैं, शिरीष पुष्प केवल भौंरों के पदों का कोमल दबाव सहन कर सकता है, पक्षियों का बिल्कुल नहीं–'पदं सहेत–भ्रमरस्य पेलवं शिरीष पुष्पं न पुनः पतत्रिणाम्।' अब मैं इतने बड़े कवि की बात का विरोध कैसे करूँ ? सिर्फ विरोध करने की हिम्मत न होती तो भी कुछ कम बुरा नही था, यहाँ तो इच्छा भी नहीं है।

शिरीष के फूलों की कोमलता देखकर परवर्ती कवियों ने समझा कि उसका सब–कुछ कोमल है! यह भूल है। इसके फल इतने मजबूत होते हैं कि नए फूलों के निकल आने पर भी स्थान नहीं छोड़ते। जब तक नए फल–पत्ते मिलकर, धकियाकर उन्हें बाहर नहीं कर देते तब तक वे डटे रहते हैं। मुझे इनको देखकर उन नेताओं की बात याद आती है, जो किसी प्रकार ज़माने का रुख नहीं पहचानते और जब तक नई पौध के लोग उन्हें धक्का मारकर निकाल नहीं देते तब तक जमे रहते हैं।

(क) शिरीष–पुष्प के सम्बन्ध में कवि–कथन क्या है ? गद्यांश पर आधारित उदाहरण भी उद्धृत कीजिए।

(ख) शिरीष के फूल और फल में मूलभूत अन्तर क्या है ? वर्तमान सामाजिक परिप्रेक्ष्य में इसकी तुलना कीजिए।

(ग) लेखक ने शिरीष के फल की तुलना वर्तमान नेताओं से की है। आप इससे कहाँ तक सहमत हैं ?

(ii) आप लोग मुझसे यह प्रश्न पूछना चाहेंगे कि यदि मैं जातियों के विरुद्ध हूँ, तो फिर मेरी दृष्टि में आदर्श समाज क्या है ? ठीक है, यदि ऐसा पूछेंगे, तो मेरा उत्तर होगा कि मेरा आदर्श–समाज स्वतंत्रता, समता, भ्रातृता पर आधारित होगा। क्या यह ठीक नहीं है, भ्रातृता अर्थात भाईचारे में किसी को क्या आपत्ति हो सकती है ? किसी भी आदर्श–समाज में इतनी गतिशीलता होनी चाहिए जिससे कोई भी वांछित परिवर्तन समाज के एक छोर से दूसरे तक संचारित हो सके। ऐसे समाज के बहुविधि हितों में सबका भाग होना चाहिए तथा सबको उनकी रक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए। सामाजिक जीवन में अबाध संपर्क के अनेक साधन व अवसर उपलब्ध रहने चाहिए। तात्पर्य यह कि दूध–पानी के मिश्रण की तरह भाईचारे का यही वास्तविक रूप है, और इसी का दूसरा नाम लोकतंत्र है। क्योंकि लोकतंत्र केवल शासन की एक पद्धति ही नहीं है, लोकतंत्र मूलतः सामूहिक जीवनचर्या की एक रीति तथा समाज के सम्मिलित अनुभवों के आदान–प्रदान का नाम है।

(क) लेखक की दृष्टि में आदर्श समाज के मुख्य बिन्दु क्या हैं ? स्पष्ट कीजिए।

(ख) समाज में भ्रातृत्व भाव कैसे विकसित किया जा सकता है ?

(ग) सच्चे लोकतंत्र की क्या विशेषताएँ होनी चाहिए ?

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिये : 3×2=6

(क) 'बाजार में आवश्यकता ही शोषण का रूप धारण कर लेती हैं।' बाज़ार दर्शन पाठ के आधार पर वर्तमान संदर्भ में इस कथन की समीक्षा कीजिए।

(ख) पठित पाठ के आधार पर बताइऐ कि इन्दर सेना सबसे पहले गंगा मैया की जय क्यों बोलती है ? गंगा का हमारे सामाजिक परिवेश में क्या महत्व है ?

(ग) 'नमक' शीर्षक कहानी का सार–संक्षेप अपने शब्दों में लिखिए।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिये : 2×2=4

(क) 'टाई–सूट पहनना आना चाहिए लेकिन धोती–कुर्ता अपनी पोशाक है, यह नहीं भूलना चाहिए।' यशोधर बाबू के इस कथन के आधार पर उनकी जीवन–शैली का चित्रण कीजिए।

(ख) 'जूझ' कहानी के आधार पर उसके कथा नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ग) सिन्धु–घाटी की सभ्यता की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

11. 'जूझ' पाठ के आधार पर बताइए कि कथा के नायक के व्यक्तित्व पर सर्वाधिक प्रभाव किसका पड़ा और किस रूप में ? 5

अथवा

पठित पाठ के आधार पर मुअनजो–दड़ो के नगर नियोजन पर प्रकाश डालिए।

खण्ड – 'ब'

12. निम्नांकित गद्यांशं पठित्वा केवलं **त्रीन्** प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत : 2×3=6
(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर केवल **तीन** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्य में दीजिए।)

पण्डितगोविन्दबल्लभपन्तस्य उच्चशिक्षा, शिक्षायाः प्रसिद्धे केन्द्रे प्रयागनगरे सम्पन्ना अभवत्। प्रयागनगरे सः श्रेष्ठराजनीतिज्ञानां सम्पर्के आगच्छत्। ततः एव तस्य राजनीतिकं जीवनम् आरब्धम्। विधिशिक्षायाः अध्ययनानन्ते सः अधिवक्तृरूपेण जीवकोपार्जनम् आरब्धवान।

(क) पण्डित गोविन्दबल्लभपन्तस्य उच्चशिक्षा कुत्र सम्पन्ना अभवत् ?
(ख) प्रयागनगरे सः केषां सम्पर्के आगच्छत् ? (ग) तस्य राजनैतिकं जीवनं कुतः आरब्धम् ?
(घ) अध्ययानन्ते सः किम् अकरोत् ?

13. अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा **द्वौ** प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत : 2×2=4
(निम्नलिखित श्लोक को पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्य में दीजिए)

प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः
प्रारभ्य विघ्नविहिताः विरमन्ति मध्याः।
विघ्नैः पुनः पुनरपि प्रतिहन्यमानाः
प्रारभ्य चोत्तमजनाः न परित्यजन्ति।।

(क) नीचैः कार्यं किं न प्रारभ्यते ? (ख) विघ्नविहिताः मध्या किं कुर्वन्ति ?
(ग) कार्यं प्रारभ्य के न परित्यजन्ति ?

14. अधोलिखित प्रश्नेभ्यः **पञ्च** प्रश्नान् संस्कृत भाषयां पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×5=10
(निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्यों में दीजिए)

(क) बहवोः अम्भोदाः कुत्र वसन्ति ? (ख) कस्य आश्रयः सर्वदा कष्टकरः ?
(ग) कस्मै मांसभक्षणं न रोचते स्म ? (घ) उष्मतः पादपानां वर्णः कीदृशः भवति ?
(ङ) सागरान्तां गां के हरिष्यान्ति ? (च) 'गान्धारी' कस्य माता आसीत् ?
(छ) गोविन्दबल्लभपन्तः कस्य राज्यस्य मुख्यमंत्री अभवत् ? (ज) पृथिव्याः स्खलनात् किं जायते ?

15. निम्नांकित शब्द सूचीतः शब्दान् चित्वा **चत्वारि** वाक्यानि उत्तरपुस्तिकायां लिखत् – 1×4=4
(निम्नलिखित शब्दों में से **चार** शब्दों का संस्कृत में वाक्य प्रयोग कीजिये)

शब्द सूची–

भूकम्पः, पर्वतानाम्, तेषाम्, परितः, पर्यावरणम्, यत्र–तत्र, विकसन्ति, जायते, पृच्छति, अग्रजः

16. (क) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं च कुरुत। (समास विग्रह कर समास का नाम भी लिखिये।) 1
वन्यपशुः **अथवा** इन्द्रसुतः
(ख) विभक्ति निर्देशनं कुरुत। (विभक्ति बताइए) : पितुः **अथवा** विद्यया 1
(ग) 'नदी' **अथवा** 'भवान्' शब्दस्य तृतीया विभक्ते एकवचनस्य रूपं लिखत। 1
('नदी' **अथवा** 'भवान्' शब्द का तृतीया विभक्ति के एकवचन का रूप लिखिए)
(घ) 'पठ्' **अथवा** 'लभ्' धातोः लोट् लकारस्य प्रथम पुरूषस्य एकवचनस्य रूपं लिखत। 1
('पठ्' **अथवा** 'लभ्' धातु का लोट् लकार, प्रथम पुरूष, एकवचन का रूप लिखिए।)
(ङ) (i) सन्धिं कुरुत। (संधि कीजिए) : बालकः + अपि **अथवा** निः + सरति 1
(ii) संधि विच्छेदं कुरुत। (सन्धि विच्छेद कीजिए।) : नमस्ते **अथवा** रामश्चलति 1

अथवा

अस्मिन् प्रश्नपत्रे आगतं श्लोकं वर्जयन् कमपि अन्यं कंठस्थं श्लोकं लिखित्वा हिन्दी भाषायाम् तस्य अनुवादं कुरुत। 3+3=6
(कोई एक कंठस्थ श्लोक, जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो, लिखिए और हिन्दी में उसका अनुवाद कीजिए।)

****